नक्सल-मुक्त भारत की पहली दीवाली: बस्तर में जवानों के संग प्रधानमंत्री

समाचार-संदर्भ: 8 नवंबर 2026 - बस्तर दौरा और प्रधानमंत्री का संबोधन | **प्रकाशन:** 9 नवंबर 2026
मुख्य परीक्षा: GS-III - आंतरिक सुरक्षा, वामपंथी उग्रवाद और विकास



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 नवंबर 2026 को छत्तीसगढ़ के बस्तर स्थित करनपुर के कोबरा ऑपरेशंस बेस पर सुरक्षाबलों के साथ दीवाली मनाने पहुँचे। यह वही ठिकाना है जो बस्तर और अबूझमाड़ में नक्सल-विरोधी अभियानों का प्रशिक्षण-केंद्र और आधार रहा। उन्होंने कहा कि यह पहली दीवाली है जब देश का हर ज़िला नक्सलवाद से मुक्त है, और 47 वर्षों में पहली बार पिछले एक वर्ष में ड्यूटी के दौरान कोई भी सीआरपीएफ जवान शहीद नहीं हुआ।

सुरक्षा और विकास की संयुक्त रणनीति

सुरक्षा-अभियान + वित्तीय नेटवर्क पर कार्रवाई → क्षेत्रीय पहुँच

सड़क + संचार + विद्यालय + पुनर्वास → टिकाऊ सामाजिक समावेशन

संदर्भ: प्रधानमंत्री के 8 नवंबर के संबोधन का सार

नक्सलवाद और कोबरा क्या है

वामपंथी उग्रवाद (नक्सलवाद) भारत के आंतरिक सुरक्षा का दशकों पुराना संघर्ष है, जिसका केंद्र भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) और उसके प्रभाव क्षेत्र रहे - इसे कभी 'लाल गलियारा' कहा जाता था। कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेज़ॉल्यूट ऐक्शन) सीआरपीएफ की विशेष इकाई है, जो जंगल-युद्ध और गुरिल्ला-विरोधी अभियानों के लिए प्रशिक्षित है।

संघर्ष के दशक

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में उस दौर को याद किया जब वामपंथी उग्रवाद लगभग 20 राज्यों के 230 से अधिक ज़िलों तक फैला था; बिहार, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्य प्रभावित थे। उस दौर में वर्ष में 2,000 तक हमले होते थे, केवल छत्तीसगढ़ में 1,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी शहीद हुए, और 2010 के दंतेवाड़ा हमलों में अलग-अलग घटनाओं में 76 सीआरपीएफ जवान और 44 नागरिक मारे गए। 2004 से 2013 के बीच हर साल नक्सलियों की तुलना में ज़्यादा सुरक्षाकर्मी शहीद होते थे, जिससे माओवादी नेताओं का हौसला बढ़ता रहा।

रणनीति कैसे बदली

प्रधानमंत्री के संबोधन में रणनीति के ये पक्ष बताए गए:

परिचालन स्वतंत्रता: सुरक्षाबलों को हर ज़रूरी निर्णय लेने की पूरी आज़ादी दी गई।

आर्थिक रीढ़ पर प्रहार: नक्सलियों के चंदे और जाली नोटों के जाल को तोड़ा गया, जिससे हथियारों की तस्करी, आवागमन और भर्ती रुकी।

सुरक्षा के साथ सेवा: संवेदनशील अभियानों के साथ नक्सल-प्रभावित क्षेत्रों में जीवन बदलने का काम किया गया, जिससे पीड़ित लोग भी सरकार और सुरक्षाबलों के साथ खड़े हुए।

विकास की रफ़्तार

संबोधन के अनुसार वामपंथी उग्रवाद-प्रभावित क्षेत्रों में विशेष विकास-अभियान के तहत 15,000 किलोमीटर से अधिक सड़कें, 9,500 से अधिक मोबाइल टावर, लगभग 175 एकलव्य विद्यालय, करीब 50 आईटीआई और 50 कौशल विकास केंद्र बने, साथ ही हज़ारों डाकघर, बैंक-शाखाएँ और एटीएम खुले। पीएम जनमन के तहत दूरस्थ जनजातीय गाँवों में पहली बार पानी, बिजली और सड़क पहुँची, और आत्मसमर्पित नक्सलियों का पुनर्वास हुआ। नक्सलवाद ने पहले स्कूल, अस्पताल, पोलियो-टीकाकरण और उद्योग रोके थे; आज उसी बस्तर में बस्तर ओलंपिक हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में 50 करोड़ लोग भीषण गरीबी से बाहर आए हैं - जन धन, पीएम आवास, मुद्रा, स्वानिधि, आयुष्मान भारत, मुफ्त राशन, स्वच्छ भारत और हर घर जल जैसी योजनाओं ने मिलकर यह बदलाव किया।

आगे की राह

प्रधानमंत्री ने इन उपलब्धियों को ठहराव नहीं, नई उड़ान का आधार बताया - अगला लक्ष्य गरीबी-मुक्त, नशा-मुक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत। नक्सल-मुक्ति को टिकाऊ रखने के लिए पुनर्वास, सुरक्षा-तैनाती की निरंतरता और दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास की पहुँच पर ध्यान बना रहेगा, क्योंकि पीछे हटती सुरक्षा के साथ उग्रवाद के लौटने का जोखिम इतिहास में रहा है।

परीक्षा की दृष्टि से

मुख्य परीक्षा (GS-III): आंतरिक सुरक्षा, वामपंथी उग्रवाद का अंत, सुरक्षा-विकास का संयुक्त दृष्टिकोण, जनजातीय क्षेत्रों का समावेशन।

प्रिलिम्स: कोबरा और सीआरपीएफ, बस्तर (छत्तीसगढ़) का स्थान, पीएम जनमन, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, 2010 दंतेवाड़ा हमले।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. "भारत में वामपंथी उग्रवाद पर विजय सुरक्षा-कार्रवाई से अधिक सुरक्षा और विकास के संयोजन का परिणाम है।" टिप्पणी कीजिए। (250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: उग्रवाद के चरम स्वरूप (230 से अधिक ज़िले) और प्रधानमंत्री द्वारा बताई गई वर्तमान नक्सल-मुक्त स्थिति का संदर्भ दीजिए।

मुख्य भाग में: सुरक्षा-पक्ष (परिचालन स्वतंत्रता, आर्थिक रीढ़ तोड़ना, बलों की भूमिका); विकास-पक्ष (सड़क, टावर, विद्यालय, पीएम जनमन, पुनर्वास); दोनों का परस्पर पूरक होना; शेष चुनौतियाँ (लौटने का जोखिम, टिकाऊ विकास)।

निष्कर्ष में: निष्कर्ष दीजिए कि सैन्य विजय तभी टिकती है जब विकास उसे सामाजिक समर्थन दे।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेज़ॉल्यूट ऐक्शन) सीआरपीएफ की विशेष इकाई है

II. प्रधानमंत्री ने 2026 की दीवाली बस्तर के करनपुर स्थित कोबरा ऑपरेशंस बेस पर सुरक्षाबलों के साथ मनाई

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I

(b) केवल II

(c) I और II दोनों

(d) न तो I, न ही II

▼ उत्तर और व्याख्या
उत्तर: (c)। दोनों कथन सही हैं - कोबरा सीआरपीएफ की जंगल-युद्ध में विशेषज्ञ इकाई है और प्रधानमंत्री 8 नवंबर 2026 को करनपुर के कोबरा बेस पर दीवाली मनाने पहुँचे।

2. पीएम जनमन (PM-JANMAN) योजना मुख्य रूप से किससे संबंधित है?

(a) विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG) के कल्याण से

(b) बुनियादी ढाँचा विकास ऋण से

(c) कौशल प्रमाणन से

(d) फसल बीमा से

▼ उत्तर और व्याख्या
उत्तर: (a)। पीएम जनमन विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG) तक आवास, पानी, बिजली, सड़क और शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के लिए चलाई जा रही योजना है।

बस्तर की सांस्कृतिक पहचान: बस्तर दशहरा: राष्ट्रपति की जगदलपुर यात्रा और माँ दंतेश्वरी की परंपरा

स्रोत

- प्रधानमंत्री कार्यालय विज्ञप्ति (पीएम का बस्तर दौरा और संबोधन), 8 नवंबर 2026